Jain Engineers Society News
For Social Cause

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002

Year : 10, Edition : 1 Indore, 25 January, 2011 Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

JES THOUGHT : Courage does not always roar, sometimes courage is the quite voice at the end of the day saying.....I will try again tomorrow.

जेस का पाँचवा राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

आचार संहिता

दिनांक २२ एंव २३ जनवरी २०११ को पाँचवा राष्ट्रीय अधिवेशन अति उत्साह एंव हर्षोल्लास के साथ उज्जैन के कालीदास अकादमी हाल मे सम्पन्न हुआ। अधिवेशन मे इन्दौर, भोपाल, कोटा, औरंगाबाद, जयपुर, वाशिम, सांगली एंव बैगलोर चेप्टर के सदस्यों के परिवार के साथ गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

दिनांक २२ जनवरी २०११ प्रातः ११ बजे उज्जैन से सभी सदस्य बसों एंव कारों द्वारा पुष्पगिरि पंचकल्याणक महोत्सव मे पंहुचे एंव जेस द्वारा पंचकल्याणक हेतू किये गये कार्यो को देखा एंव सराहा। आचार्य श्री पुष्पदन्त सागर जी महाराज ने करीब ४०,००० लोगों से खचाखच भरे हुए पान्डाल मे जेस के सभी चेप्टर्स के अध्यक्षों का स्वागत किया एंव चेप्टर सदस्यों द्वारा श्रीफल भेट करने के दौरान आशिर्वाद दिया। शाम ५ बजे सभी सदस्य वापस उज्जैन पहुचें एंव शाम का भोजन करने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम मे उज्जैन, भोपाल एंव इन्दौर चेप्टर के सदस्यों एंव परिवारजनों ने अति सुन्दर प्रस्तुतियॉ दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अमिता अतुल जैन एंव श्रीमती चैताली अमिताभ छजलानी द्वारा अत्यंत रोचक तरीके से किया गया। उज्जैन चेप्टर से श्रीमती सीमा शैलेन्द्र शाह, श्रीमती आरती मनीष जैन, श्रीमती रश्मि जे.के. जैन, श्रीमती ऋतु दीपक जैन, श्रीमती संगीता अतुल जैन, श्रीमती निर्लीमा अरूण जैन, श्रीमती रेणू योगेश जैन एंव श्रीमती मंजू डी.के. जैन ने सुन्दर नृत्य प्रस्तुतियॉ दी साथ ही बच्चों द्वारा अत्यंत सराहनीय नाटक का मंचन किया गया जो अधिवेशन की थिम "वेस्ट मैनेजमेन्ट" पर आधारित था जिसमे श्रुति मनीष जैन, आर्शी जे.के. जैन, साहिल दीपक जैन, संयम अतुल जैन, आदित्य देवेन्द्र जैन, प्रणव प्रवीण जैन, धवल राजेश पाटोदी, सम्यक देवेन्द्र जैन एंव अपूर्व टी.सी. जैन ने भाग लिया। भोपाल के वरिष्ठ इंजी. व्ही. के. जैन ने दो पुराने गीतो से सभी को आचंभित किया एंव जेस फाउन्डेशन के सचिव इंजी. राजेन्द्र जैन ने भी अपने गीत से तालियॉ बटोरी।

इन्दौर चेप्टर से श्रीमती रेखा राजेन्द्र सिंह जैन, श्रीमती सीमा निकेतन सेठी, श्रीमती मीनू शैलेन्द्र कटारिया, श्रीमती अभिलाषा शैलेन्द्र छाबड़ा, श्रीमती आरती रितेश जैन, श्रीमती विनीता राजेश जैन, श्रीमती रेखा महेन्द्र पहाड़िया, श्रीमती सुनिता प्रदीप जैन, श्रीमती रिनी तपन जैन नै देशभक्ती पर आधारित नृत्य से सभी का मन मोह लिया।

अधिवेशन के दूसरे दिन दिनांक २३ जनवरी २०११ को रजिस्ट्रेशन के दौरान सभी सदस्यों को उज्जैन चेप्टर की ओर से सुन्दर किट एंव प्रतिक चिन्ह के रूप मे दिये गये। इस दौरान आडिटोरियम मे पिछले चारों अधिवेशनों के फोटों का स्लाइड शो देखकर सभी पुरानी यादों मे खो गये। करीब ११ बजे कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एंव मंगलाचरण के साथ हुई एंव कार्यक्रम का संचालन इंजी. अरूण जैन एंव श्रीमती अमिता अतुल जैन ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री बाबूलाल जैन एंव विशेष अतिथी सांसद श्री प्रेमचंद गूडडु एंव डॉ. एन.पी.जैन थे (निमंत्रण मे उल्लेखित समारोह के अतिथी उज्जैन क्षेत्र मे विधान सभा उपचुनाव कि आचार संहिता के कारण नही आ सके)। स्वागत भाषण उज्जैन चेप्टर अध्यक्ष इंजी. सत्येन्द्र जैन ने दिया एंव अधिवेशन के बारे मे अधिवेशन चेयरमेन इंजी. अतुल जैन ने सम्बोधित किया। जेस फाडन्डेशन सचिव इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन ने विस्तार से जेस के बारे मे बताया एंव भविष्य की योजनोओं पर प्रकाश डाला। जेस फाउन्डेशन महासचिव इंजी. एस.के.जैन (इन्डोरामा), जेस फाउन्डेशन अध्यक्ष इंजी. संतोष बंड़ी, विशेष अतिथी डॉ. एन.पी.जैन, विशेष अतिथी श्री प्रेमचंद गुडडु एंव मुख्य अतिथी बाबूलाल जैन ने संबोधित किया।

द्वितीय सत्र मे अधिवेशन का विषय 'अपशिष्ठ प्रबधंन (वेस्ट मेनेजमेन्ट)' पर इंजी. श्री नरेन्द्र सुराणा एवं इंजी. अजय जैन के अत्यंत सारगर्भित पॉवर पॉइंट प्रेजेन्टेशन हुए जिन्हे सभी ने सराहा।

तृतीय सत्र मे जेस के सभी आये हुए चेप्टर पदाधिकारियों ने अपने अपने चेप्टर मे किये गये कार्यों की समीक्षा की जो अन्य चेप्टरों के लिये अत्यंत प्रेरक रही। तत्पश्चात शाम के भोजन के बाद सभी मेहमान अपने अपने गंतव्य की और बढ़ गये।

यहां उल्लेखनीय है कि यह अधिवेशन आचार्य श्री पुष्पदंतसागर महाराज की इच्छानुसार पुष्पगिरि पर सम्पन्न होना था परन्तु पंचकल्याणक के दौरान धर्मावलम्भियों की अत्याधिक संख्या के कारण स्थानाभाव होने से उज्जैन मे किया गया।

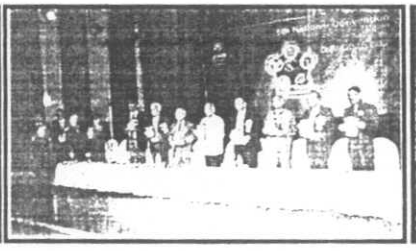

With best Compliments from :

ITL INDUSTRIES LTD

111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, http://www.itlind.com

India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.

पुष्पगिरि पंचकल्याणक महामहोत्सव सम्पन्न

दिनांक १६ जनवरी से शुभारंभ होकर दिनांक २४ जनवरी २०११ को पंच कल्याणक महा महोत्सव बिना किसी विघ्न के हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ जिसमे करीब ६.५ लाख श्रद्धालुओं ने भाग लिया जिसमे पुष्पगिरि के आसपास के करीब १६० गांव के निवासी भी इस महा महोत्सव मे सम्मिलित हुए।

यह उल्लेखनीय है कि इस विशाल महामहोत्सव की प्लानिंग एवं कार्यान्वयन की जिम्मेदारी जेस को सौंपी गई थी जिसे जेस टीम ने बखूबी निभाया एवं उसकी व्यवस्थाओं को सबने सराहा।

मुख्य कार्य जिसमे आर्यखण्ड आवास क्षेत्र जिसमें करीब ४०० व्ही.आई.पी. काटेज, २६० स्वीस टेंट, २०० इ.पी. टेंट एंव ३५ डारमिटरी टेंट बनाये गये थे जिनमे हर टेंट पर कार पार्किग, गरम-ठंडे पानी के नल, अटेच लेटबाथ का इन्तजाम किया गया था, साथ ही तीन हेलीपेड भी इसी क्षेत्र मे बनाये गये। करीब ३ एकड़ क्षेत्र मे भोजनशाला एंव डायनिंग हाल, पंचकल्याणक पात्रगणों के लिए अलग एंव शोध भोजन के लिए ७५ आहार गृह बनाए गये एंव ३ एकड़ मे विशाल पान्डाल (240' x 500') जिसमे 150' x 150' का मंच एंव २ बड़े एल.ई.डी. स्क्रीन लगाये गये थें। पहाड़ी की तलहटी में स्वागत केन्द्र एंव ट्रेड फेयर के साथ फूड झोन एंव एम्यूस्मेंट पार्क बनाये गये थे। पान्डाल के पास २५००० लोगों के जूते रखने की व्यवस्था पर ८० कार्यकर्ता एंव क्लाक रूम दो जगह बनाये गये थे। व्यवस्थाओ को सुचारू रूप से चलाने के लिए २२० सिक्युरिटी गार्ड, ८० प्रोफेशनल वालेन्टियर्स, ४१० भोजन बनाने वाले, १६० सफाईकर्मी, २५० वीर सेवा दल के कार्यकर्ता, ५५ टेंट हाउस अटेन्डेन्ट, ६२ जल व्यवस्थाकर्मी, ४४ बिजली व्यवस्थाकर्मी, २६ साउन्ड, एल.ई.डी. स्क्रीन एंव सी.सी. टी.वी. एक्सपर्ट, २४ पार्किग व्यवस्थाकर्मी एंव करीब ३०० पुलिस फोर्स लगाई गयी थी, यात्रियों को पहाड़ी पर लाने लेजाने के लिए २० टाटा मैजिक एंव ११ मिनी बसों की व्यवस्था की गई थी। करीब ४ वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मे रंगबिरंगी लाईटिंग के साथ सेन्ट्रल साउण्ड सिस्टम लगाया गया एंव महत्तवपूर्ण स्थानों पर ५४ सी. सी.टी.वी. केमरे ४ झोन मे लगाकर मुख्य कन्ट्रोल रूम से जोड़ा गया। करीब ६०० के.वी.ए विद्युत भार के लिए विभिन्न स्थानों पर ६ ट्रांसफार्मर लगाये गये एंव आपतकालीन स्थिती के लिए ८ बड़े जनरेटर सेट लगाये गये। पानी की व्यवस्था के लिए १५ टेंकरों द्वारा करीब १० से २० कि.मी. दूरी से ट्यूबवेल का पानी तलहटी मे बनाये गये १ लाख लीटर क्षमता वाले टैंक से उपर पहाड़ी पर पंप द्वारा टंकियों मे भरा गया। करीब १० से १२ लाख लीटर पानी प्रतिदिन प्रदाय किया गया।

इस प्रोजेक्ट के कियान्वयन मे मुख्य भूमिका इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन, इंजी. महेन्द्र पहाडिया, इंजी. अरूण जैन कटारिया, इंजी. निकेतन सेठी, इंजी. अमित जैन, एंव इंजी. एस.के.जैन की थी एंव सक्रिय सहयोगी इंजी. आदेश जैन, इंजी. शैलेन्द्र छाबड़ा, इंजी. शैलेन्द्र कटारिया, इंजी. विनोद बड़जात्या, इंजी. अखिलेश जैन, इंजी. जितेन्द्र काला, इंजी. प्रदीप जैन, इंजी. राकेश जैन, इंजी. विकास जैन, इंजी. तपन जैन आदि सभी इन्दौर चेप्टर सदस्य थे।

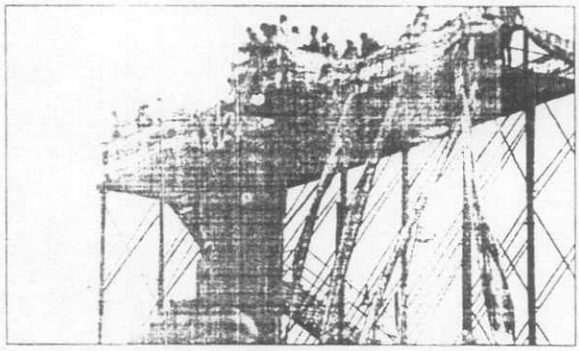

आचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज का संदेश

मै जैन इंजीनियर्स सोसायटी के इंजीनियर्सो से प्रथम बार बिहार के दर्मियान मिला। लोगों के मुख से वडवानी के मस्ताभिषेक मे उनकी निःस्वार्थ सेवा तथा सहयोगात्मक गतिविधियों की बाबत सुनकर उनमे मेरी दिलचस्पी बढ़ी। इस विषम युग मे शिक्षित पदारूढ़ उच्चश्रेणी के आफिसर्स की सेवात्मक उपस्थिति अन्धकार मे प्रकाश लाने वाली है। इनका श्रद्धा-भक्ति-आत्मक हार्दिक समर्पण, जैनत्व को एकत्व की ऊचाईयों तक ले जायेगा।

ऐसे अभिमान रहित, शिक्षित, मर्यादित, मृदुभाषी स्वभावी संगठन का समाज सेवा मे अग्रणीय होना एक चमत्कार है। इनकी कार्य करने की शैली एकदम अद्भुत है। आग जले मगर धुंआ न हो, पानी बरसे मगर कीचड़ न हो, फूल खिले मगर आवाज न हो, दीप जले उसमे ताप न हो, सेवा करें मगर अहंकार न हो।

पुष्पगिरि परिवार का पुण्योदय है जो ऐसा शिक्षित सेवा भावी संगठन मिला।

दिनांक १६/०१/२०११ से २४/०१/२०११ तक मानव सेवा तीर्थ पुष्पगिरि मे होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की समस्त जिम्मेदारी का उत्तरदायित्व इन लोगों को सौपा है। जो निष्ठा और विश्वास के साथ अपना कर्तव्य पूर्ण कर रहे है। यहीं भावना है कि आपका यह संगठन अपनी एक अलग पहचान बनाये और देश का सर्वश्रेष्ठ सेवाभावी संगठन हो।

आशीर्वाद

पुष्पदंत २८/१०/२०१०

सृजन के अप्रतिम - प्रतिमान

इंजी. सोसायटी के सदस्यो के सम्मानार्थ

सम्मान-पत्र

धन्यता एंव महिमामण्डित, सेवा को आत्मिक आनंद जानने व मानकर मूर्त रूप देने वाले उच्च शिक्षित उच्च पदासीन, समृद्ध यश व कीर्तिजीवी सक्रिय, सजक, सेवाभवियों का समूह आज जैन जगत में जैन इंजीनियर्स सोसायटी के नाम से सुविख्यात है। आप ऐसे ही समूह की ईकाई है।

अपने प्राचीन तीर्थ बावनगजा के संरक्षण एंव वर्तमान मे अर्वाचीन तीर्थ पुष्पगिरि तीर्थ क्षेत्र मे अप्रतिम, अतुलनीय एंव स्तुत्य सेवाओं को प्रदान करते हुये पुष्पगिरि पंचकल्याणक महामहोत्सव - २०११ को राष्ट्रव्यापी गरिमा प्रदान करने मे जिस विलक्षणता, तकनीक कौशल एंव दूरगामी दृष्टि का प्रमाण दिया है, वह समय के शिलालेख मे स्वर्णिम अक्षरों से रेखांकित किये जाने योग्य है। आप में श्रद्धा, सेवा, समर्पण व धर्म के प्रति अनन्य आस्था विद्यमान है।

आपको परमपूज्य आचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज ससंघ के आशीष सहित पुष्पगिरि श्रमण संस्कृति न्यास, महामहोत्सव समिति एंव पुष्पगिरि परिवार यह सम्मान-पत्र भेंट करते हुये हर्षित एंव गौरवान्वित हो रहा है। आप दीर्घायु, स्वस्थ, सम्पन्न, व कीर्तिमय जीवन-जीवी बनें, यही है मंगल कामना।

आपके कर कमलो मे सप्रेम...

Indian Railway in collaboration with Google offers services—

Just SMS your PNR number on this mobile number and instantaneously you will get your ticket's current status along with all other journey related details.

The number is **97733-00000**. NO need to prefix 0 or +91.

Best of all, you don't pay a premium charge for any of this, just the price of a standard SMS.

PLEASE DON'T FORGET TO STORE THE NUMBER IN YOUR MOBILE PHONE.

Er Arvind Barjatya -Bhopal

Transplant of Tree by JES Ujjain

Seeing huge tree cutting during four lane construction at Dewas Road our JES Engineers of Ujjain Chapter were very much disturbed. We have taken a step to shift some of big Trees to new location . With the initiation of Er. Atul Jain in this course we have shifted large old 10 trees with the help of experts and Bhasker Group, we are confident these shifted trees would survive again.

Er Praveen Jain

Secretary, Ujjain Chapter

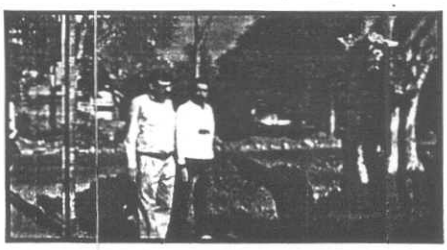

Answer of Puzzle Point # 3 : "Yes, I Am Engineer"

Area of Rectangle, A= W X L. Here, Length increased by 25% i.e. 1.25L & W decreased by 25% i.e. 0.75W

So for new rectangle's Area = 0.75W X 1.25L = 0.9375 X W X L,

Hence reduction in Area = 1 - 0.9375 = 0.0625 W X L, So percentage change in area = 6.25% Answer.

Correct answers are received from following participants.

Puzzle Point # 3 : Names are displayed in order of answer received.

Sr. No.	Name of Participants	Global ID No.	City
1	Er. Sohmatilal Jain	101753	Indore
2	Er. Pankaj Jain	101730	Indore
3	Er. Suresh Jain	101269	Bhopal
4	Er. Arvind Barjatya	101692	Indore
5	Er. Suresh Jain	101495	Indore
6	Er. Yogesh Kala	102111	Aurangabad
7	Er. M L Nagori	100122	Indore
8	Mrs. Lalit Amitabh Manya	101958	Bhopal
9	Er. M K Malu	101379	Bhopal
10	Er. Prashant Shah	101092	Bharuch

Pl. write your Name, G.ID No., Organization, City, etc. while sending your answer. Such details will help us to identify you and compilation of correct participants for displaying their name.

Puzzle Point # 4

Date : 20/01/2011

Jain Engineers Society News

Puzzle Master Er M P Shah, GNFC, Bharuch, Gujarat

"The ladder of success"

A ladder was standing perfectly upright against a wall, suddenly the foot of the ladder slid away from the wall & came to a stop 15 feet from the wall. The top of the ladder had moved only one fifth of the ladder's length before it came to rest firmly on a window-sill.

Do you have enough data to calculate the length of the ladder? If so, what is it?

Send answer to cmpshah@gmail.com (B4 07/02/11)

इन्दौर चेप्टर की गतिविधियॉ

जेस इन्दौर चेप्टर की पारिवारिक सभा अपना पेलेस धार रोड़ पर सम्पन्न हुई। सभा में जेस के दिनांक २२-२३ जनवरी २०११ को होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के विषय वेस्ट मैनेजमेंट पर डॉ. सनत कुमार जैन ने विस्तार से बताते हुए कहा कि जैन धर्म के सिद्धांत अपरिग्रह का पालन करते हुए सभी वस्तुओं का पुनरूपयोग किया जाना चाहिए। दुनिया की एक चौथाई जनता की रोजी रोटी बचे हुए पदार्थों के उपयोग से ही चलती है।

सभा में जेस इन्दौर चेप्टर अध्यक्ष इंजी. एन.के.जैन की सुपुत्री दन्तं विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती नेहा गोयल ने सभी सदस्यों विशेष रूप से बच्चों को दन्त सुरक्षा कैसे करे इस सन्दर्भ में विस्तार से बताया जिसमें प्रतिदिन सुबह एवं रात में ब्रश करना विशेष रूप से जरूरी है। दांतों की सफाई, आड़े तिरछे दांतों को एक लाइन में करना दुर्घटनाओं में टूटे जबड़ों को सुधारने की नयी तकनीक का उपयोग करते हुए कम खर्च में कैसे नये दांत बनाना आदि पर प्रकाश डाला। महिलाओं ने विशेष रूप से बच्चों से संबंधित कई सवाल पूछे। सभा की अध्यक्षता इंजी. एस.के. जैन ने की एवं इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन, निदेशक इन्दौर टूल्स लि. विशेष अतिथि थे। सभा में सदस्यों को वैवाहिक वार्षिकी पर सम्मानित किया गया। सभा के संयोजक इंजी. शैलेन्द्र अभिलाषा जैन एवं शैलेन्द्र मीनू कटारिया थे। मंगलाचरण श्रीमति अलका धनोते, श्रीमति अभिलाशा जैन और श्रीमति मीनू कटारिया द्वारा किया गया।

सभा में सचिव इंजी. निकेतन सेठी ने पुष्पगिरि पंचकल्याणक के बारे में जानकारी दी और बताया कि पुष्पगिरि की आवास एवं अन्य व्यवस्थाओं की योजना एवं क्रियान्वयन का कार्य जेस द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन इंजी. श्री निकेतन सेठी ने किया एवं अतिथियों का आभार श्री एन.के. जैन ने माना।

इंजी. निकेतन सेठी
मानद सचिव

Free Membership of Jain Engineers' Society

For Noble cause join Jain Engineers Society . Get free copy of this news letter every month .All sect of Jain Engineers and Diploma Holders can apply on line at www.jainengineerssociety.com or post your application giving Name, Fathers name, spouse name, DOB, and full local address and permanent address with phone and E mail. You can open local Chapters in your City / Town, contact Secretary General JES Foundation atjainengineers@eth.net or post to 144 Kanchan Bag Indore 452002

CONTACT FOR LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION	-	Er. Santosh Bandi (President (M) 9300023181 Er. Santosh K. Jain, Indore (General Secretary). (M) 9993063331
INDORE CHAPTER	-	Er. N.K. Jain (President), (M) 9827070556 Er. Niketan Sethi (Hon. Secretary), (M) 09425020429
BHOPAL CHAPTER	-	Er. Sharad Chand Sethi, (President), (M) 9893650291 Er. Sharad Sethi (Hon. Secretary). (M) 09425060804
KOTA CHAPTER	-	Er. Ajay Bakliwal, (President), (M) 09829036056, Er. R.K. Jain (Hon. Secretary), (M) 9414726829
UJJAIN CHAPTER	-	Er. Deepak Jain, (President), (M) 09425050484 Er. Bharat Shah (Hon. Secretary), (M) 9826057049
JAIPUR CHAPTER	-	Er. Akhilesh Jain (President) Ph : 0141-2396283, (M) 98290-53981 Er. R.K. Sethi, (M) 98292-55130
SAGAR CHAPTER	-	Er. Neelesh Jain, (President) Ph : 07582-244901, (M) 9329738680
HARIDWAR CHAPTER	-	Er. Ashok Kumar Jain, (President) Ph : 1334-234856, (M) 09837099348
SANGLI CHAPTER	-	Er. Bhaskar Kognole, (President) Ph : 0233-2320600
KANPUR CHAPTER	-	Er. S.K. Jain, (President) Ph : 0512-2553457, Patron-Shriyut Shripal ji Jain (M) 98395-47676
VIDISHA CHAPTER	-	Er. Anil Jain, (President) Ph : 07592-232295
MUMBAI CHAPTER	-	Er. Lalit Sanghavi (President) (M) 98210-16736
NAGPUR CHAPTER	-	Er. Rajeev Jain (President) (M) 9881741032, 9960085566
DELHI CHAPTER	-	Er. Subhash Jain (President) Ph : 011-24638792(O)
AURANGABAD	-	Er. Rajesh Patney (M) 09370068601, Er. Chetan Thole (M) 09822791020
BANGLORE CHEPTER	-	Er. Ajit Jain -099019 48892

NEW CHAPTERS

JODHPUR CHAPTER, JHANSI CHAPTER, BHILWARA CHAPTER, AJMER CHAPTER, GWALIOR CHAPTERS, AGRA CHAPTER, AHEMDNAGAR CHAPTER NASIK CHAPTER, WASIM CHAPTER, SURAT CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है। पत्रव्यवहार के लिए पता– जैन इंजीनियर्स सोसायटी, 7–डायमंड कॉलोनी, अग्रवाल स्टोर्स के पीछे, एम.जी. रोड़, इन्दौर–452 001 (भारत)
फोन: 0731-3044602 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- www.jainengineerssociety.com

BOOK-POST
PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588
डाक पंजी. क्रं आयडीसी/विवीजन/1130/2009-11

TO,

If undelivered, please return to :
Jain Engineers' Society,144, Kanchan Bagh, Indore 452001 (M.P.)

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)
Editor - Er. Rajendra Singh Jain